युवा प्रकोष्ठ, अखिल विश्व गायत्री परिवार, शान्तिकुञ्ज-हरिद्वार

वर्तमान समय अत्यंत जटिल

1. अनास्था, मानव दिषाविहीन
2. संसारिक व आध्यात्मिक पतन
3. विद्या एवं संस्कारों का लोप
4. पर्यावरण संकट
5. नारीषक्ति की अवहेलना
6. बेरोजगारी एवं बेकारी
7. व्यसन, अंधविष्वास एवं कुरीतियाँ

इसके सुधार हेतु उपाय ?

विचार क्रान्ति अभियान

मनुष्य के विचारों
का परिवर्तन

सप्त आन्दोलन

कैसे होगा यह कार्य? किसको बदलना पड़ेगा ?

हम बदलेंगे, युग बदलेगा।

<u>इसके लिए तीन क्रांतियाँ होंगी</u>

1. बौद्धिक क्रांति
2. नैतिक क्रांति
3. सामाजिक क्रांति

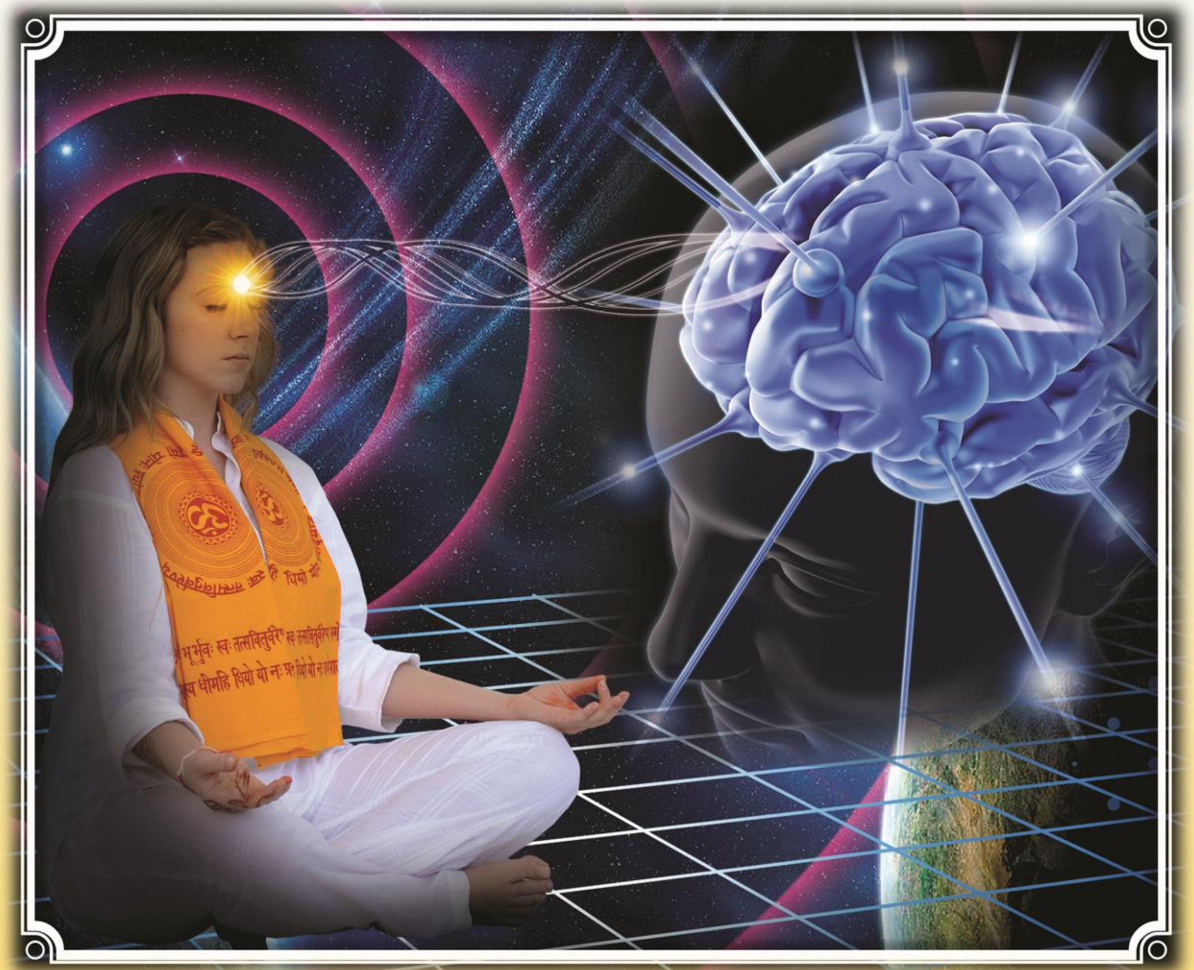

इसके लिए परमपूज्य गुरुदेव की योजना

- **1963 में गुरुदेव हिमालय से लौटकर** आए और उन्होंने **युग निर्माण योजना के 100 सूत्र लिखे।**

100 सूत्रीय कार्यक्रम

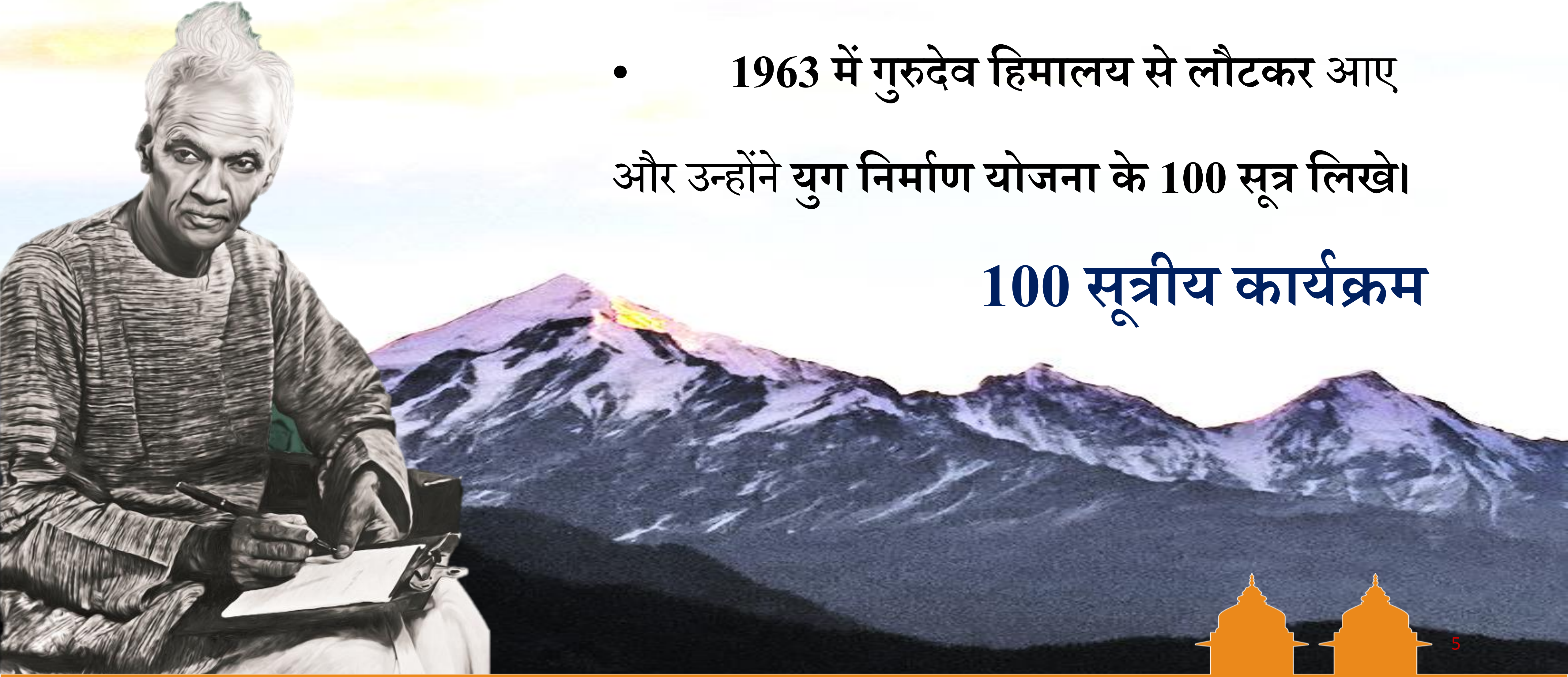

www.awgp.org

सप्त आन्दोलन

सन् 2000 में युग संधि महापुरुष्चरण की पूर्णाहुति के समय 100 सूत्रों को सात भागों में बांट दिया गया:

सप्त-आन्दोलन

साधना

शिक्षा

स्वास्थ्य

पर्यावरण

स्वावलंबन

नारी जागरण

कुरीति एवं व्यसन मुक्ति

सप्त आन्दोलन

सरकारी प्रयास और प्रभाव

1. सरकारी योजनाएं भी चल रही हैं, लेकिन उनका प्रभाव नहीं हो रहा है।
2. धर्मतंत्र से लोक शिक्षण की क्षमता अधिक प्रभावशाली होती है।
3. स्कूली शिक्षा दिमाग तक पहुंचती है, लेकिन धर्म की शिक्षा हृदय तक पहुंचती है।

साधना आन्दोलन

1. समस्त आंदोलनों की धुरी
2. व्यक्ति में आदर्शवादिता, सच्चरित्रता

   आदि गुणों का विकास
3. संपूर्ण विश्व में जाति, धर्म, लिंग आदि के भेद को मिटाना
4. मनुष्य के व्यक्तित्व का परिष्कार कर ऊँचा उठाना

साधना आन्दोलन

1. साधन का मतलब है जीवन को साध लेना ।

2. व्यक्ति के विकास मे ये तीन चीजे आवश्यक है ।

3. चिंतन, चरित्र और व्यवहार = जीवनसाधना

साधना आन्दोलन

जीवन साधना के तीन रूप है:-

1. **भावना:-** ध्यान, जपतप
2. **विचार :-** स्वाध्याय, चिंतन-मनन
3. **क्रिया :-** व्यक्तित्व और व्यवहार

साधना आन्दोलन

व्यक्ति के इन्ही 3 रूपों को गुरुदेव ने कहा है कि बेटे हमारे तीन शरीर है-

1. कारण शरीर :- भावना का
2. सूक्ष्म शरीर :- विचारों का
3. स्थूल शरीर :- भौतिक – जो क्रिया करता है ।

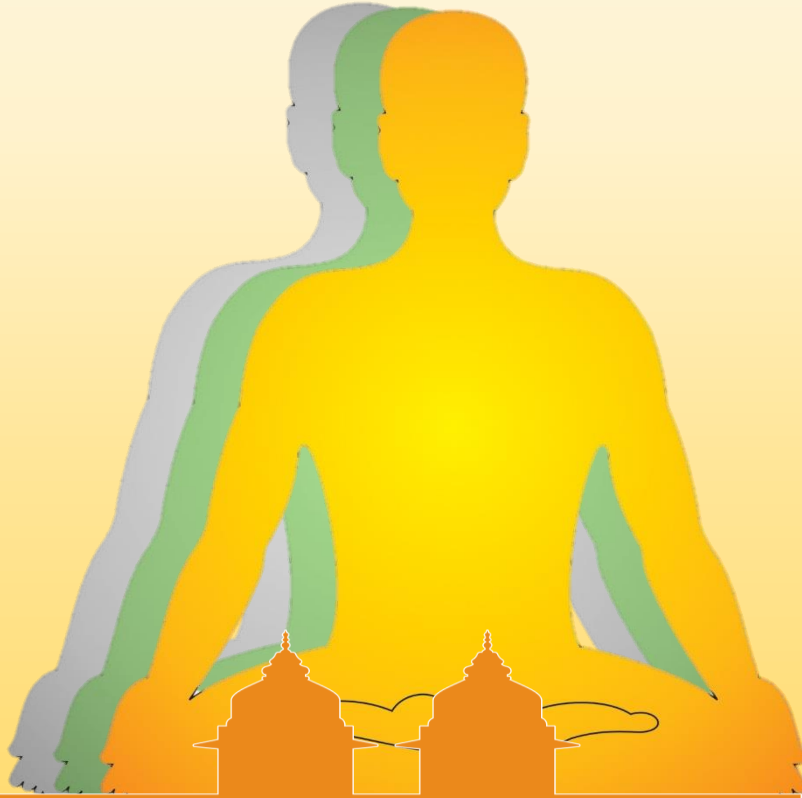

इसलिए तीनों का शोधन करना बहुत आवश्यक है ।

सप्त आन्दोलन

तीनों शरीरों के निर्माण के लिए तीन योग बताए

1. **उपासना** - प्रतिदिन **न्यूनतम 20 मिनट ईश्वर के लिए खाली होकर बैठें।** सबके लिए सद्बुद्धि **सबके लिए उज्ज्वल भविष्य की भावना** के साथ गायत्री मन्त्र / इष्ट मन्त्र / नाम का जप करें।

व्यक्ति निर्माण / साधना आन्दोलन

2. **साधना-** **स्वाध्याय एवं संयम** के माध्यम से अपने **अन्दर दुष्प्रवृत्तियों** के उन्मूलन तथा सत्प्रवृत्तियों के समर्थन का अभ्यास करें।

3. **आराधना -** व्यवस्थित **दिनचर्या के परिणाम स्वरूप** बचे हुए **समय एवं क्षमताओं को सेवा कार्यों में लगाएँ।** इस हेतु प्रतिदिन कम से कम 1 घण्टे का समय एवं आधा कप चाय अथवा आधी रोटी के मूल्य की राशि अंश दान करें।

सप्त आन्दोलन

शिक्षा आन्दोलन

पढ़े-लिखे ना समझ

Cause of World war…………

(गुरुदेव की एक पुस्तक है “समझदारों की ना समझी”)

Management सीखने वाले व्यक्ति के व्यक्तिगत

जीवन मे सबसे ज्यादा अव्यवस्था है।

Corruption को रोकने वाले भी आज

Corruption कर रहे है।

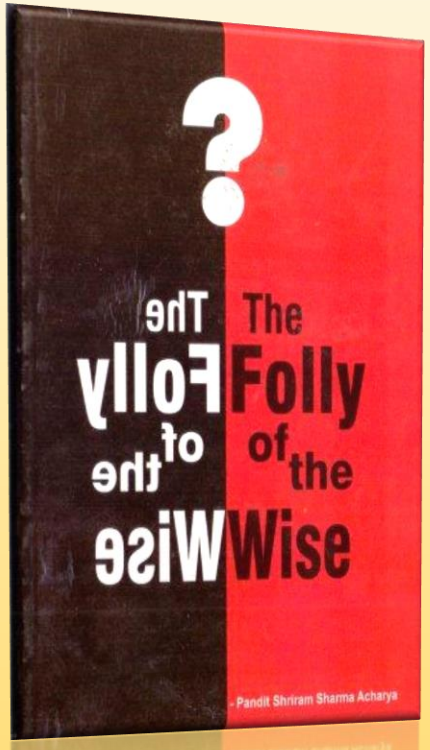

सप्त आन्दोलन

2- शिक्षा आन्दोलन

जानकारी एकत्र कर लेने को हम शिक्षा नहीं कहते ....

शिक्षा का वास्तविक स्वरूप विद्या है ।

इसीलिए गुरुदेव ने कहा है “शिक्षा ही नहीं विद्या भी”

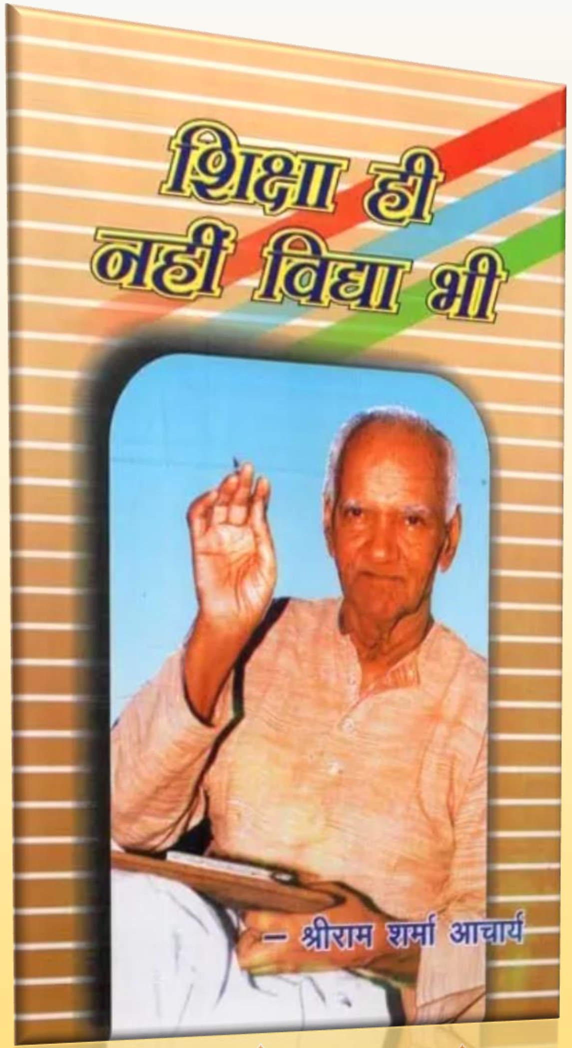

2- शिक्षा आन्दोलन

विद्या क्या है ?

2- शिक्षा आन्दोलन

विद्या क्या है ?

जीवन के प्रति समझ ।

आपका व्यवहार कैसा होना चाहिए ।

खान पान कैसा होना चाहिए ।

2- शिक्षा आन्दोलन

- **हमे क्या करना है** ? विद्या और शिक्षा का समन्वय

जानकारी + आचरण

(शिक्षा+ विद्या)   पढ़े लिखे मूर्ख नहीं बनाना ।

2- शिक्षा आन्दोलन

- आजकल शिक्षालय तो बहुत है। पर विद्यालय नहीं

शिक्षालय:- जहां केवल विषय-वस्तुओं की जानकारी दे जाती है।

विद्यालय:- जहां जानकारी के साथ –साथ संस्कार भी दिए जाते है।

सप्त आन्दोलन

2- शिक्षा आन्दोलन

- माँ की संस्कारशाला (1 वर्ष - 5 वर्ष की आयु वाले बच्चे)

1. साप्ताहिक पाठ्यक्रम (एक मानवीय मूल्य = एक सप्ताह)
2. उस मूल्य पर आधारित 7 कहानियाँ
3. मूल्य से संबंधित समस्या का समाधान
4. श्लोक एवं पहेलियाँ for every day
5. कहानी के या दिन के अंत में प्रेरणाप्रद गीत , मूल्य पर आधारित एक कविता एवं लोरी

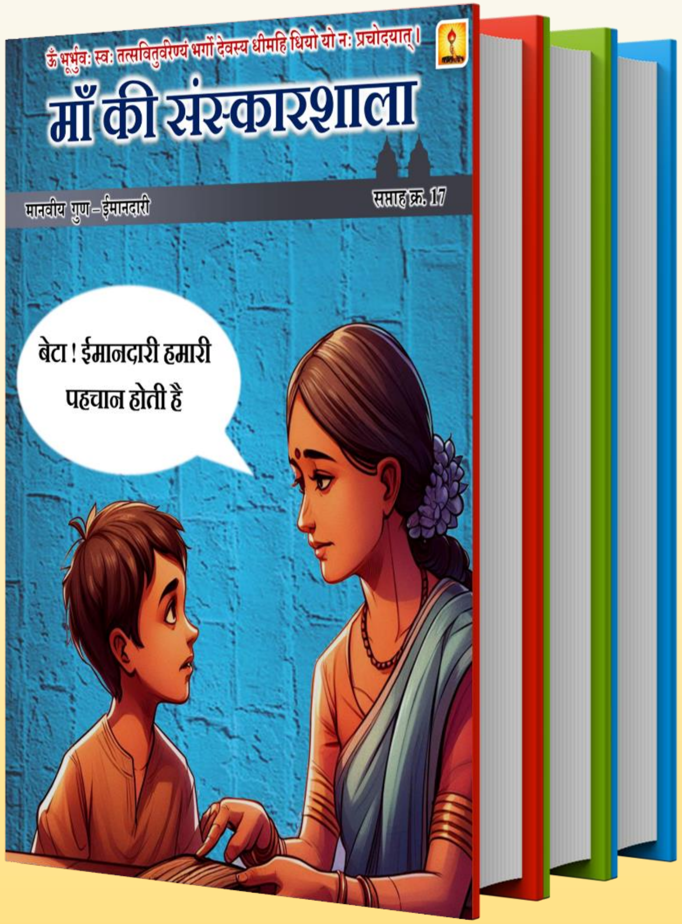

2- शिक्षा आन्दोलन

- **बाल संस्कारशाला (5-13 वर्ष की आयु वाले बच्चे)**

1. साप्ताहिक पाठ्यक्रम (शनिवार-रविवार)
2. दैनिक दिनचर्या
3. प्रार्थना, वंदना, जप-ध्यान के माध्यम से उनको साधना से जोड़ा जाता है।
4. प्रेरणाप्रद कहानी, महापुरुषों के प्रेरक प्रसंग, सदवाक्य के माध्यम से चिंतन-मनन
5. भाव भरा गीत एवं जीवन जीने की कला
6. खेल योग , जन्मदिन, जयंती , शिष्टाचार आदि का आयोजन
7. माता पिता क्या करें ! शिक्षक क्या करें !
8. अंत मे शांतिपाठ के साथ गृह कार्य भी दिया जाता है।

सप्त आन्दोलन

2- शिक्षा आन्दोलन

- **भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा**

1. **नैतिक मूल्यों एवं विषयों पर आधारित पुस्तिका**
2. **विद्यालयों मे संस्कृति मंडलों का गठन** (मूल्यों के महत्त्व के लिए)
3. **मूल्यों पर आधारित परीक्षा।**
4. **विद्यालयों मे सामूहिक जन्मदिन का आयोजन।**

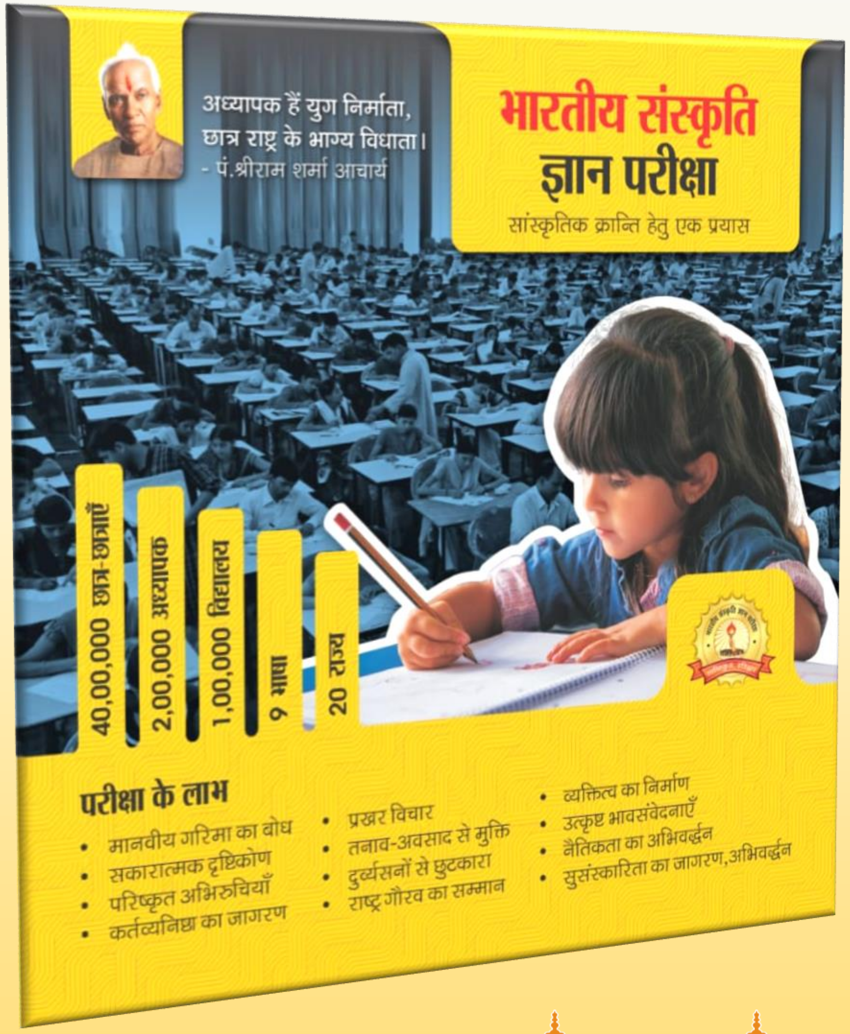

सप्त आन्दोलन

2- शिक्षा आन्दोलन

- साहित्य विस्तार
- ज्ञान-शिक्षा का विस्तार
- विद्यालयों मे संस्कृति मंडलों का गठन *(मूल्यों के महत्त्व के लिए)*

1. मूल्यों पर आधारित परीक्षा।
2. विद्यालयों मे सामूहिक जन्मदिन का आयोजन।

2- शिक्षा आन्दोलन

इन सब चीजों के माध्यम से हमारा उद्येश्य

जीवन के प्रति समझ, जानकारी + आचरण

इसीलिए गुरुदेव ने शान्तिकुञ्ज को गुरुकुल कहा है ,

तक्षशिला, नालंदा जैसा विश्वविद्यालय

3- स्वास्थ्य आन्दोलन

स्वास्थ्य का अर्थ ?

बाकी अर्थ निरोगता हो सकते हैं, स्वस्थ नहीं।

स्वास्थ्य के दो भौतिक स्वरूप हैं:-

i. आरोग्य :- बीमार हो ही न (निरोग)

ii. चिकित्सा:- उपचार पता होना चाहिए।

3- स्वास्थ्य आन्दोलन

- आरोग्य :- निरोग कैसे रहें ?

1. दैनिक दिनचर्या का संतुलन बनाए रखना
2. योग, प्राणायाम
3. प्राकृतिक जीवन शैली, सात्विक खानपान
4. भावनाएं शुद्ध रखना to avoid depression.
5. हमेशा दूसरों को देख कर Avoid negativity

सप्त आन्दोलन

3- स्वास्थ्य आन्दोलन

- **चिकित्सा:- इलाज कैसे करें ?**

इसके लिए हम अनेकों कार्यक्रम चलाते हैं:-

i. **समग्र स्वास्थ प्रबंधन** – शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक स्वास्थ रक्षा

ii. **एकौशधि चिकित्सा पद्धति:-** पौधों, जड़ी-बूटियों, फूलों, पत्तियों, छालों और अन्य प्राकृतिक पदार्थों पर आधारित होती है।

iii. एक्युप्रेषर, मर्म चिकित्सा, आयुर्वेदिक चिकित्सा प्रषिक्षण

सप्त आन्दोलन

3- स्वास्थ्य आन्दोलन

- **कैसे आगे गति दें ?**

1. निशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन
2. रक्त दान के शिविर
3. निशुल्क योग शिविर
4. आयुर्वेदिक औषधियों की जानकारी देना।
5. यज्ञ चिकित्सा

सप्त आन्दोलन

4- स्वावलंबन आन्दोलन

- **इसका अर्थ है आत्मनिर्भरता**

- स्वयं का काम न करना।
- नौकरी लेने की Race
- सर्वप्रथम दैनिक जीवन मे स्वावलंबी बनाना।
- देश की अर्थव्यवस्था ग्राम प्रधान

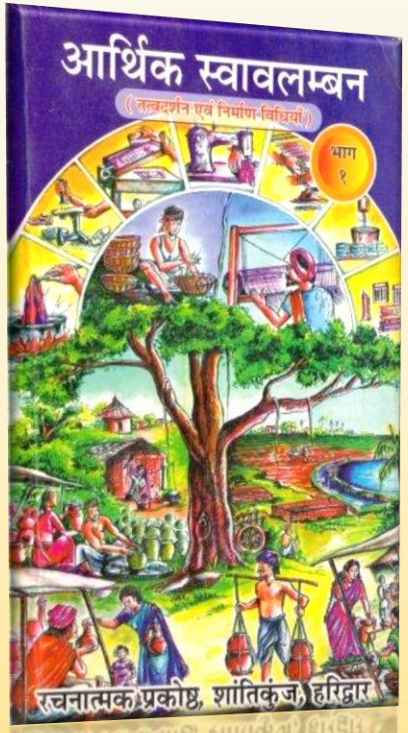

4- स्वावलंबन आन्दोलन

- **स्वावलंबी कैसे बनें ?**

- दैनिक जीवन मे उपयोग होने वाली वस्तुओं का निर्माण
- फल, सब्जियों का संरक्षण और उनके By Products बना कर हम स्वावलंबी बन सकते है।
- Mushroom की खेती
- गौ पालन एवं Dairy Farming
- जड़ीबूटी संरक्षण :- कोरोना के समय गिलोय का उधाहरण।
- Repairing Services.

सप्त आन्दोलन

5- पर्यावरण संरक्षण

- राजस्थान मे 55-56 degree temperature गर्मियों में।
- पक्षी मर रहे है
- अपने हित के लिए पेड़-पौधों को नष्ट करना।
- आज हमारी मातृभूमि तप रही है। Global Warming.
- इसके उपर का आवरण फिर से लाना होगा।

5- पर्यावरण संरक्षण

1. आप साँस लेते नहीं , आपको साँस पेड़ देते है ।
2. साँसों का कर्ज चुकाना होगा ?
3. इसका एक अभियान चलता है, वृक्ष गंगा अभियान ।
4. तरुपुत्र-तरुमित्र योजना:- पेड़ का जन्मदिन

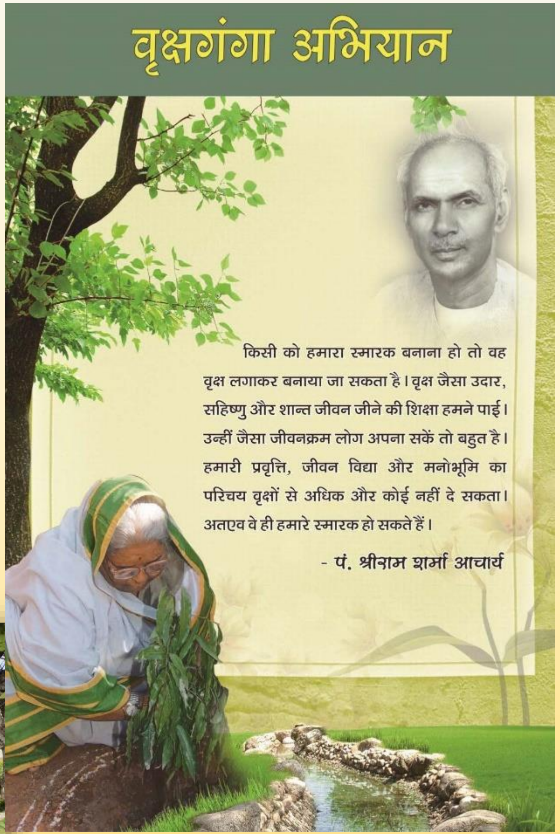

5- पर्यावरण संरक्षण

1. धार्मिक, एवं सामाजिक कार्यक्रमों मे तरु प्रसाद वितरण
2. 300 अधिक पहाड़ियों को हरा किया गया है।
3. श्रीराम स्मृति उपवन क निर्माण
4. 50 से अधिक स्मृति उपवनों का निर्माण।

5- पर्यावरण संरक्षण

1. **97.5%** being salt water **2.5%** being freshwater. only **0.3%** is in liquid form on the surface.

1. **भागीरथी जलाभिषेक**
2. **नदियों का संरक्षण, वर्षा के जल का संरक्षण**
3. **तालाबों को पुनर्जीवित करना।**
4. **नदियों की स्वच्छता**

सप्त आन्दोलन

5- पर्यावरण संरक्षण

1. **निर्मल गंगा जन अभियान के अंतर्गत :- ढाई हजार किलोमीटर (2500 KM) लंबी गंगा पर कार्य ।**

2. **नेपाल की बागमती नदी पर कार्य, ऐसी 24 नदियों की स्वच्छता** एवं संरक्षण पर शांतिकुंज कार्य करता हुआ आगे बढ़ रहा है।

3. नदी के घाट को गोद ले लेना , तालाब को गोद ले लेना और उसको स्वच्छ बनाना एवं उसका संरक्षण करना ।

5- पर्यावरण संरक्षण

1. तीर्थ स्वच्छता
2. ग्राम स्वच्छता का कार्यक्रम
3. 5000 केंद्रों के माध्यम से 5000 ग्रामों के स्वच्छता कार्यक्रम
4. प्रमुख तीर्थों मे स्वच्छता का कार्यक्रम।
   i. महाकालेश्वर, रामेश्वरम, जगन्नाथ।

ग्राम बोरियाखुर्द में सफाई अभियान में जुटे परिजन

5- पर्यावरण संरक्षण

1. गुरुदेव कहते थे कि बेटे! **स्वच्छता में सरस्वती का निवास होता है ।**
2. **तीर्थ/ग्राम स्वच्छता का कार्यक्रम**
3. **ग्राम स्वच्छता 5000 केंद्रों के माध्यम से 5000 ग्रामों के स्वच्छता कार्यक्रम**
4. **प्रमुख तीर्थों मे स्वच्छता का कार्यक्रम ।**
   i. **महाकालेश्वर, रामेश्वरम, जगन्नाथ ।**

सप्त आन्दोलन

6- नारी जागरण

1. परमं वंदनीया माता जी ने **1974 मे महिला जागृति अभियान की शुरुवात की**
2. इस से पहले **बहनों के लिए गायत्री मंत्र बोलने पर प्रतिबंध था,** वही बहने **आज गायत्री मंत्र की दीक्षा दे रही है।**
3. **वही बहने आज** वही बहने **आज अश्वमेध यज्ञ करा रही है।**
4. नारी के प्रति सम्मान

सप्त आन्दोलन

6- नारी जागरण

1. हर घर में **नारी को यथोचित सम्मान** दिलाने की व्यवस्था करना।
2. हर घर में **लड़के एवं लड़की के बीच भेद** के भाव को मिटाना एवं समता का भाव बढ़ाना।
3. हर नारी में **षौर्य, पराक्रम, सबलता** एवं आत्म विष्वास के भाव भरना।
4. **फैषन, ठाठ-बाट, फिजूलखर्ची** आदि से **नारी को बचाकर** रचनात्मक कार्यों में प्रेरित करना।

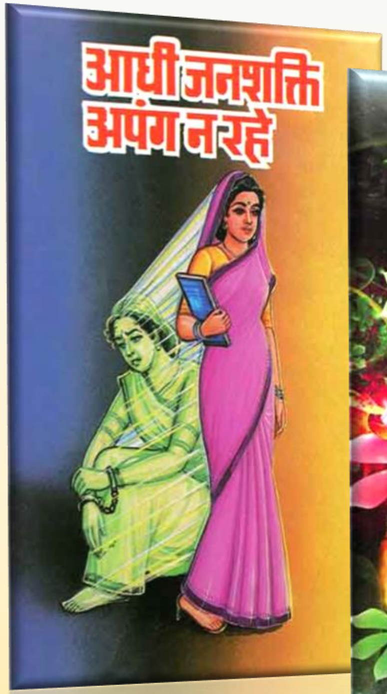

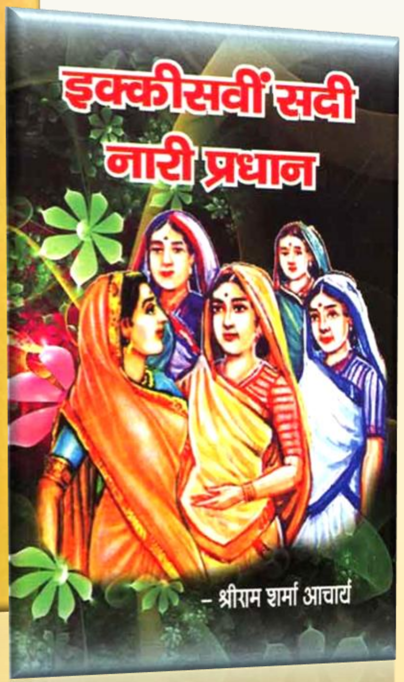

6- नारी जागरण

1. **नारी जागरण के लिए चार सूत्र दिए गए है :-**
   i. स्वास्थ्य , संस्कार, स्वावलंबी और शिक्षा से स्वाभिमान जागरण.
2. 10,000 महिला मंडलों के माध्यम से नारी जागरण का व्यापक अभियान।

7- व्यसन मुक्ति एवं कुरीति उन्मूलन

1. **आप कितना कमाते है यह महत्त्व नहीं है , अगर आप व्यसन करते है तो सब बेकार है ।**
2. व्यसन से बचाओ – सृजन में लगाओ
3. मूढ़ताओं , अंधविश्वासों से मुक्ति
4. दहेज प्रथा और खर्चीली शादियाँ

7- व्यसन मुक्ति एवं कुरीति उन्मूलन

1. आदर्श विवाहों का आंदोलन
2. बालविवाह
3. **मृतक भोज**
4. **बलि प्रथा**

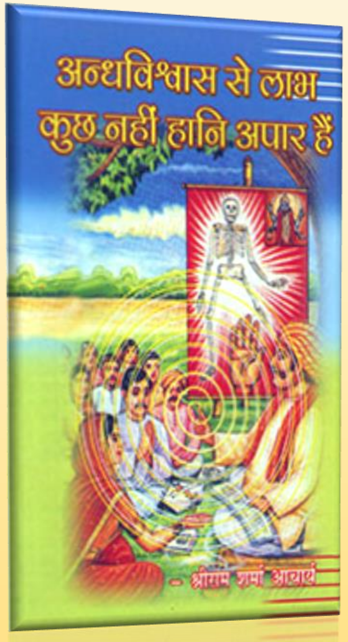

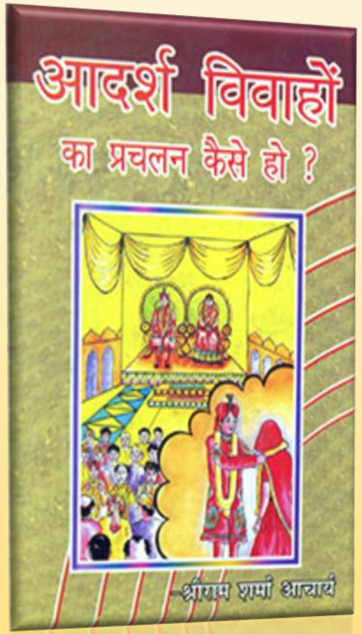

7- व्यसन मुक्ति एवं कुरीति उन्मूलन

1. व्यसन मुक्ति रैली जन जागरण
2. नशा मुक्ति शिविर
3. नुकड़ नाटक

हम बदलेंगे - युग बदलेगा,
हम सुधरेंगे - युग सुधरेगा